भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3292
जिसका उत्तर मंगलवार 01 जनवरी, 2019 को दिया जाना है

लीथियम-आयन बैटरी

3292. श्री शिवकुमार उदासि:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने एफएएमई-II योजना के अन्तर्गत सार्वजनिक परिवहन सेवा को विद्युत चालित बनाने हेतु परिवर्तित करने को उच्च प्राथमिकता दी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का देश में विद्युत चालित वाहनों की लागत में कमी करने के लिए लीथियम-आयन बैटरी बनाने की सुविधाएं स्थापित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश में कम लागत की लीथियम-आयन बैटरी विकसित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क): भारत में (हाइब्रिड और) इलैक्ट्रिक वाहनों का विनिर्माण एवं तीव्र अंगीकरण के चरण-II (फेम-II) में सार्वजनिक परिवहन में इलैक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढावा देने और बाजार सृजन एंव मांग एकत्रीकरण के द्वारा इलैक्ट्रिक वाहनों के अंगीकरण को प्रोत्साहित करने का प्रस्ताव है। मसौदा योजना में चार्जिंग अवसंरचना उपलब्ध कराने, ईवी प्रौद्योगिकियों का अनुसंधान एवं विकास और अधिक स्वदेशीकरण को बढाने सहित ईवी उद्योग की होलिस्टिक वृद्धि की परिकल्पना है। योजना को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

(ख) और (ग): जी नहीं। इस समय, सरकार द्वारा लिथियम आयन बैटरियां बनाने के लिए इकाइयां स्थापित करने का कोई प्रस्ताव भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है।

तथापि, देश में इलैक्ट्रिक मोबिलिटी को बढावा देने के लिए, इस योजना के अंतर्गत गठित परियोजना कार्यान्वयन एवं मंजूरी समिति द्वारा अनुदान देने के लिए फेम-इंडिया योजना की प्रयोगिक परियोजनाओं,प्रौद्योगिकी विकास/अनुसंधान एवं विकास और सार्वजनिक चार्जिंग अवसंरचना घटकों के तहत विशिष्ट परियोजनाओं पर विचार किया जाता है। इसके अलावा, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) ने सेटेलाइट और लांच व्हीकलों में उपयोग हेतु लिथियम आयन बैटरियां विकसित की हैं और इन्हें पहले ही हाल के अंतरिक्ष मिशनों में शामिल किया गया है। चार प्रकार अर्थात 1.5 एएच, 5 एएच, 50 एएच और 100 एएच की बैटरियां विकसित की गई हैं। इसमें से इसरो ने भारतीय ऑटोमोटिव अनुसंधान संघ (एआरएआई) को 50 एएच के लिथियम-आयन सैलों की आपूर्ती की है। इसरो द्वारा विकसित लिथियम-आयन बैटरी को दिनांक 19 जनवरी, 2017 को सिम्पोजियम ऑन इंटरनेशनल ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजिज (एसआईएटी-2017) में एक प्रोटोपाइप दुपहिए में सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया गया।

*****